SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes /TERM-2

SUBJECT: HINDI

CLASS -6 **Ls.- ९ जो देखकर भी नहीं देखता**

Prepared By: DEEPIKA MEHRA **Given date -**

Prepared date -

प्रश्न १) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए।।

- अचरज – आश्चर्य, हैरानी
- रोचक – अच्छी लगने वाली
- समाँ – वातावरण
- मुग्ध – मोहित
- क्षमता – ताकत
- कदर – पहचानना
- आस – उम्मीद
- नियामत - ईश्वर की देन
- इंद्रधनुषी रंग – अनेक प्रकार के रंग

प्रश्न -२)दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' – हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?

उत्तर:– एक बार हेलेन केलर की प्रिय मित्र जंगल में घूमने गई थी। जब वह वापस लौटी तो हेलेन केलर ने उससे जंगल के बारे में जानना चाहा तो उसकी मित्र ने जवाब दिया कि कुछ खास नहीं तब उस समय हेलेन केलर को लगा कि सचमुच जिनके पास आँखें होती है वे बहुत ही कम देखते हैं।

2. 'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है?

उत्तर:– प्रकृति के अनमोल खजाने को, उसके अनमोल सौंदर्य और उसमें होने वाले नित्य–प्रतिदिन बदलाव को 'प्रकृति का जादू' कहा गया है।

3. 'कुछ खास तो नहीं' - हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों हुआ?

उत्तर:- एक बार हेलेन केलर की प्रिय मित्र जंगल में घूमने गई थी।जब वह वापस लौटी तो हेलेन केलर ने उससे जंगल के बारे में जानना चाहा तब उसकी मित्र ने जवाब दिया कि कुछ खास नहीं।

यह सुनकर हेलेन केलर को बड़ा आश्चर्य हुआ कि लोग कैसे आँखें होकर भी नहीं देखते हैं क्योंकि वे तो आँखें न होने के बावजूद भी प्रकृति की बहुत सारी चीज़ों को केवल स्पर्श से ही महसूस कर लेती हैं।

4. हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं? पाठ पढ़कर इसका उत्तर लिखो।

उत्तर:- हेलन केलर भोज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती थी। वसंत के दौरान वे टहनियों में नयी कलियाँ, फूलों की पंखुडियों की मखमली सतह और उनकी घुमावदार बनावट को भी वे छूकर पहचान लेती थीं। चिडिया के मधुर स्वर को वे सुनकर जान लेती थीं।

5. 'जबकि इस नियामत से ज़िंदगी को खुशियों के इन्द्रधनुषी रंगों से हरा-भरा जा सकता है।' - तुम्हारी नज़र में इसका क्या अर्थ हो सकता है?

उत्तर:- दृष्टि हमारे शरीर का कोई साधारण अंग नहीं है बल्कि यह तो ईश्वर प्रदत्त नियामत है। इसके जरिए हम प्रकृति निर्मित और मानव निर्मित हर एक वस्तु का आनंद उठा सकते हैं। ईश्वर के इस अनमोल तोहफ़े से हम अपना जीवन खुशियों से भर सकते हैं। अत: हमें ईश्वर का शुक्रगुजार होते हुए इसकी कद्र भी करनी चाहिए।

भाषा की बात –

.पाठ में स्पर्श से संबंधित कई शब्द आए हैं। नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। बताओ कि किन चीज़ों का स्पर्श ऐसा होता है।

चिकना, चिपचिपा, मुलायम, खुरदरा, लिजलिजा, ऊबड़-खाबड़, सख्त, भुरभुरा।

उत्तर:- चिकना - घी चिपचिपा - गोंद मुलायम - रेशमी कपड़ा

खुरदरा - कपड़ा लिजलिजा - शहद ऊबड़-खाबड़ - पेड़ का तना

सख्त - पत्थरभुरभुरा - रेत

प्रश्न २) क्रिया तथा विशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा लिखिए।

क्रिया से बनी भाववाचक संज्ञा
बहाना से बहाव

विशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा से बनी भाव वाचक संज्ञा

भूखा से भूख शांत से शांति मीठा से मिठास बूढ़ा से बुढ़ापा ताजा से ताजगी